Exam. Code : 216304
Subject Code: 5361

M.A. (Hindi) 4th Semester (Batch 2020-22)

MADHYAKALIN HINDI KAVYA

Paper—XVI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— प्रत्येक भाग में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न करें। **पाँचवा** प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

1. (i) अवधेस के द्वारे सकारे गई सुत गोद कै भूपति लै निकसे।
अवलोकिहौं सोच विमोचन को ठगि सी न रही जे ठगे धिक से।।
तुलसी मनरंजन रंजित अंजन नैन सुखंजन जातक से।
सजनी ससि में समसील उभै नवनील सरोरूह से बिकसे।।

(ii) आये आये जी महाराज आये, निज भक्तन के काज बनाए।
तज बैकुण्ठ तज्यो गरुड़ासन, पवन बेग उठ धाये।।
जब ही दृष्टि परे नंदनन्दन, प्रेम भक्ति रस प्याये।
मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, चरण-कमल चित लाये।।

Scanned with CamScanner

2. (i) कनकु कनक तें सौगुनी मादकता अधिकाइ।
उहिं खाऐं बौराइ नर, इहिं पाऐं बौराइ।।
केसर-केसरि-कुसुम के रहे अंग लपटाइ।
लगे जानि नख अनखुली कत बोलति अनखाई।।

(ii) दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहिं व्यापा।।
सब नर करहिं परस्पर प्रीति। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति।।
चारिउ चरन धर्म जग माहीं। पूरि रहा सपनेहुँ अघ नाहीं।।
राम भगति रत नर अरू नारी। सकल परम गति के अधिकारी।।

भाग—ख

3. तुलसीदास की समन्वय-भावना पर प्रकाश डालें।
4. रामचरितमानस का साहित्यिक मूल्यांकन स्पष्ट करें।

भाग—ग

5. मीराबाई के काव्य में भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करें।
6. गुरू गोबिन्द सिंह का सामान्य परिचय दें।

भाग—घ

7. 'बिहारी सतसई' भक्ति, नीति और शृंगार का समन्वय है—स्पष्ट करें।
8. भूषण का सामान्य परिचय दें।

Scanned with CamScanner